कश्मीरी कथाकार हरिकृष्ण कौल पर सेमिनार आयोजित

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी द्वारा शुक्रवार को प्रख्यात कश्मीरी कथाकार और नाटककार हरिकृष्ण कौल पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। अपने स्वागत भाषण में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कश्मीर के प्राचीन साहित्य के महत्वपूर्ण लेखकों का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक कश्मीरी कथा साहित्य में हरिकृष्ण कौल का नाम सबसे महत्वपूर्ण है। वे मानवता के सच्चे पक्षधर थे और उन्होंने आम नागरिकों की समस्याओं को सबके सामने प्रस्तुत किया।

साहित्य अकादमी की ओर आयोजित किया गया कार्यक्रम

हरिकृष्ण कौल का यथार्थवादी दृष्टिकोण और उनका तंजो मजाह अद्वितीय था : औतार कृष्ण रहबर

कश्मीरी परामर्श मंडल के संयोजक अजीज हाजिनी ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे केवल उत्कृष्ट लेखक ही नहीं बल्कि एक आला इंसान भी थे और प्रचार-प्रसार से दूर ही रहते थे। उन्होंने आगे कहा कि उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को देखते हुए अभी उनपर बहुत काम किया जाना बाकी है। इस संदर्भ में उन्होंने उपस्थित सभी कश्मीरी लेखकों से अनुरोध किया कि हम सबको इस सिलसिले में मिलकर कार्य करना होगा।

प्रख्यात कश्मीरी लेखक एवं उनके सहपाठी रहे औतार कृष्ण रहबर ने कहा कि कश्मीरी भाषा में जिन लोगों ने भी अच्छी कहानी लिखी है उनमें हरिकृष्ण का नाम सबसे आगे है। उनकी कहानी की सबसे बड़ी खासियत उसमें 'कहानीपन' तथा गहरा तंजो मज़ाह था। उन्होंने सामान्य जनभाषा का प्रयोग कर कश्मीरी भाषा को ऊंचाइयों तक पहुँचाया। उनका यर्थाथवादी दृष्टिकोण और दिल को छू लेने वाली भाषा उनको लोकप्रिय ही नहीं बल्कि एक विश्वस्तरीय स्थान प्रदान करती है।

Prominent fiction writer Hari Krishan Kaul remembered, Sahitya Akademi organises event in New Delhi.

http://www.knskashmir.com/Prominent-fiction-writer-Hari-Krishan-Kaul-remembered--Sahitya-Akademi-organises-event-in-New-Delhi-39334

यथार्थवादी दृष्टिकोण के अद्‌वितीय रचनाकार थे हरिकृष्ण कौलः साहित्य अकादमी का परिसंवाद

https://aajtak.intoday.in/story/symposium-on-hari-krishan-kaul-by-sahitya-akademi-1-1103065.html